बाप की मिली अदैवत मत पर चलना
कलयुगी मनुष्य को सतयुगी देवता बनाना
बाप देता वरसा,रावण देता श्राप
वर्सा स्वर्ग का मालिक बनाता
श्राप से दुःखी और बनते पुजारी
एक माशूक की याद करनी
विजय माला में आने के लिये सर्विस करनी
एक्यूरेट एम् ऑब्जेक्ट को बुद्धि में रख करना पुरुषार्थ
आप महादानी पुण्य आत्मा हो
डायरेक्ट बाप से प्रकृतिजीत मायाजीत की सत्ता पाते
तो अपने शुद्ध संकल्प से आत्मा को बाप से जोड़ो
और उन्हें मालामाल बना सकते हो
सम्पूर्णता की जब मनायेंगे बधाई
प्रकृति और माया तब लेंगे विदाई

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!